2020/IG/PIU/DiNews/Aug/1560

इग्नू जन–जन का विश्वविद्यालय

IGNOU DIGI NEWS

16th August 2021

RC– Varanasi

Press Clipping

अमर उजाला | प्रयागराज | मंगलवार, 10 अगस्त 2021

एमसीए बीच में छोड़ने पर पीजी डिप्लोमा का मिलेगा प्रमाणपत्र

अमर उजाला ब्यूरो

बीसीए, एमसीए और पीजीडीसीए में प्रवेश की अंतिम तिथि 16 अगस्त तक

प्रयागराज। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में कंप्यूटर साइंस के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक उपाधि (बीसीए), कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर उपाधि (एमसीए) और कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीए) में घर बैठे ऑनलाइन प्रवेश लिए जा सकते हैं। खास यह कि जो छात्र दो वर्षीय एमसीए के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को सफलता के साथ पूरा कर कर लेते हैं, उन्हें पीजीडीसीए का प्रमाणपत्र मिलेगा। इन सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 16 अगस्त है।

ऐसे में अगर कोई विद्यार्थी एमसीएम का कोर्स बीच में छोड़ता है तो भी उसे पीजीडीसीए का प्रमाणपत्र मिल जाएगा। इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक संजय कुमार ने बताया कि पीजीडीसीए, एमसीए और बीसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए प्रयागराज स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र एमएनएनआईटी में काउंसलिंग कक्षाएं, प्रैक्टिकल एवं अन्य सभी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इग्नू में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है। कोई भी इग्नू की वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकता है। संजय कुमार ने बताया कि कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा यानी पीजीडीसीए के पाठ्यक्रम में स्नातक कर चुके छात्रों को विभिन्न तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही कंप्यूटर में दक्ष किया जाता है।

प्रयागराज

मंगलवार • 10 अगस्त 2021 | राष्ट्रीय सहारा

इग्नू में एमसीए, बीसीए व पीजीडीसीए में प्रवेश शुरू

प्रयागराज (एसएनबी)। इग्नू में कम्प्यूटर अनुप्रयोग एमसीए, बीसीए एवं पीजीडीसीए कार्यक्रमों के लिए नामांकन शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम तीन वर्ष की उपाधि की कोई भी स्नातक उपाधि होना चाहिए, जिसका माध्यम अंग्रेजी है।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक इग्नू क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के समन्वयक डा. संजय कुमार ने यह जानकारी दी। बताया कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के अन्तर्गत इन कोर्सों के लिए काउंसिलिंग कक्षाएं, प्रैक्टिकल व अन्य सारी सुविधाएं प्रयागराज में स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र द्वारा दी जाती है। जिसमें इलाहाबाद के राष्ट्रीय स्तर के संस्थान एमएनएनआईटी द्वारा किया जाता है, जिसके समन्वयक प्रो. आर.एस. यादव हैं। डा. संजय कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो तथा अधिकतम चार वर्ष है। प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनो सत्रों में उपलब्ध है। बताया कि वर्तमान में जुलाई, 21 हेतु प्रवेश के लिए आनलाइन माध्यम से नामांकन प्रारंभ हो चुके हैं।

6 दैनिक जागरण वाराणसी, 4 जुलाई, 2021 | वाराणसी जागरण

उधर विरोध, यहां बीएचयू इग्नू केंद्र में एमए–ज्योतिष में प्रवेश

बीएचयू ज्योतिष विभाग के सहयोग से चलेगा ज्योतिष का पाठ्यक्रम

जागरण संवाददाता, वाराणसी : जब देश के कुछ लोग इग्नू (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय) के अंतर्गत शुरू होने वाले ज्योतिष में मास्टर कोर्स का विरोध कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर बीएचयू स्थित इग्नू सेंटर में एक छात्र का दाखिला भी हो गया। इस दो वर्षीय कोर्स का माध्यम हिंदी और संस्कृत दोनों रखा गया है। प्रवेश पाने की योग्यता के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उपाधि अनिवार्य की गई है। साल भर में दो बार जुलाई और जनवरी दोनों सत्रों में नामांकन लिया जा सकता है।

जुलाई 2021 सत्र के लिए नामांकन शुरू कर दिया गया है, जिसमें आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई तक है। अधिक जानकारी के लिए इग्नू के वेबसाइट या इग्नू क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के हेल्पलाइन फोन नंबर 0542-2368622 / 2369629 पर संपर्क किया जा सकता है। वाराणसी इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि इग्नू के मानविकी विद्यापीठ के संस्कृत विभाग द्वारा क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी में ज्योतिष पर एमए कोर्स शुरू हो चुका है, जो बीएचयू के ज्योतिष विभाग के सहयोग से संचालित होगा। कहा कि इस कदम से ज्योतिष का अध्येता संस्कृति के ज्ञान को प्रसारित करने के साथ ही भारतीय विद्या से परिचित होंगे और देश और विदेश में रोजगार भी प्राप्त करेंगे।

बीएचयू स्थित इग्नू का सेंटर • जागरण

प्रो. विनय पांडेय

डा. उपेंद्र नभ त्रिपाठी

विवाद

- पाठ्यक्रम से लेकर सामग्री बनाने में बीएचयू की रही भूमिका
- 15 जुलाई से पहले तक कर सकते हैं आनलाइन आवेदन

घर-घर तक पहुंचेगी ज्योतिष विद्या : बीएचयू ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनय पांडेय के अनुसार पाठ्यक्रम और पाठ्यसामग्री को तैयार करने के लिए देश भर के

350 शिक्षाविदों ने लिखी थी शिक्षा मंत्री को चिट्ठी

इग्नू में ज्योतिष की मास्टर डिग्री शुरू होने पर देश भर में कुछ लोग काफी विरोधी सुर अपनाए हुए हैं, जबकि बीएचयू समेत देश भर के 350 शिक्षाविदों ने शिक्षा मंत्री डा. रमेश पोखरियाल निशंक को चिट्ठी लिखी थी। कहा है कि जो लोग विरोध कर रहे हैं उन्हें भारतीय ज्ञान और विज्ञान के बारे में कुछ भी नहीं पता है। वे पाश्चात्य विद्या के समर्थक हैं।

ज्योतिषाचार्यों की एक कमेटी बनी थी, जिसमें से एक सदस्य वह भी थे। उन्होंने कहा कि इस कोर्स की पाठ्य सामग्री को बेहद व्यावहारिक बनाया गया है, जिससे ज्योतिष के इतर क्षेत्र से आए विद्यार्थी के मन में उठे हर उत्कंठा और सवाल का उत्तर उसे वहीं मिल जाए। उन्होंने बताया कि इस दूरस्थ कोर्स के माध्यम से ज्योतिष विद्या अब घर-घर तक पहुंचेगी। इससे घर बैठा हर छात्र मास्टर डिग्री कर सकेगा। इस कमेटी में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, मुंबई से प्रो. भरत भूषण और जयपुर से प्रो. श्याम देव मिश्रा आदि ख्यात विद्वान शामिल हैं।

अब न्यूट्रिशन एक्सपर्ट बनेंगी ग्रामीण महिलाएं

वाराणसी। जीविकोपार्जन के लिए होटलों के रिसेप्शन और सेल्समर्ल जैसी नौकरियां कर रहीं ग्रामीण व निम्न मध्यमवर्गीय महिलाओं और युवतियों को इग्नू कॅरियर की नई राह दिखाएगा। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने पिछड़े परिवेश की युवतियों और गृहणियों के लिए ऐसे सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत की है, जो उन्हें न्यूट्रीशन एक्सपर्ट कहलाने में मदद करेंगे। सभी कोर्स में जुलाई के सत्र से एडमिशन शुरू हो चुके हैं। बीएचयू स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र प्रभारी डॉ. उपेंद्रनाथ त्रिपाठी ने बताया कि आम गृहिणियों के साथ ही सरकारी एवं निजी अस्पताल की नर्सें, आंगनबाड़ी और ग्राम सेविकाएं और प्राइवेट नौकरी कर रहीं युवतियां इन सर्टिफिकेट कोर्स के जरिए नौकरी और स्वरोजगार की नई राह खोल सकती हैं। इन सर्टिफिकेट कोर्स में पोषण एवं भोजन में प्रमाणपत्र (सीएफएन) एवं पोषण और शिशु देखभाल में प्रमाणपत्र (सीएनसीसी) हैं। सीएफएन में कोई शैक्षिणक योग्यता नहीं चाहिए, सिर्फ अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष हो। इस कोर्स में उन्हें भोजन के चयन में पौष्टिकता का ध्यान रखना, अवस्था और बीमारियों के हिसाब से भोजन का चयन, घरेलू बागवानी आदि के बारे में सिखाया जाएगा। पोषण के साथ ही शिशु देखभाल के बारे में सिखाया जाएगा। यह कोर्स युवाओं को स्वास्थ्य और एनजीओ सेक्टर में बेहतर रोजगार मुहैया कराएगा।

युवा जागरण

दैनिक जागरण 7 | प्रयागराज, 10 अगस्त, 2021 | www.jagran.com

मास्टर कोर्स बीच में छोड़ने पर पीजी डिप्लोमा देगा इग्नू

जासं, प्रयागराज : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से दो वर्षीय एमसीए के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को यदि सफलता के साथ पूरा कर लेते हैं तो पीजीडीसीए का प्रमाणपत्र मिलेगा। यदि कोई विद्यार्थी एमसीएम का कोर्स बीच में छोड़ता है तो भी उसे पीजीडीसीए का प्रमाणपत्र मिल जाएगा। यह जानकारी इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक संजय कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक उपाधि (बीसीए), कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर उपाधि (एमसीए) और कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीए) में आनलाइन प्रवेश शुरू कर दिए गए हैं। पीजीडीसीए, एमसीए और बीसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए इग्नू अध्ययन केंद्र में काउंसिलिंग कक्षाएं, प्रैक्टिकल एवं अन्य सभी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इग्नू के इनमें से किसी एक कार्यक्रम में नामांकन के बाद स्टडी मैटेरियल बिना किसी अतिरिक्त शुल्क चुकाए प्राप्त की जा सकती है।